भारतम्यू स्थासम् आस्पानिक व्यास, सांस्थापिक यस्त्यं, सीवा च वितरेत चारत्यः विकास. स्थापान निर्णय् ॥: भवित्स-२००५/ प्र.स. २०५ / वांसा-२. संप्राप्तय विकास व्यास, पूर्णा-४०० व्याप: विकासिक का सांस्थापेका, एकाने.

<u>प्रकार</u> 1) संसाम निर्माद, समाजवाद्याण, सांस्कृतिक कार्य म श्रीका कियाग क्रमांबर वरिवान-१०१६/ स.स.१८३४/ सांस्थ-२, विपाण का नीवींबर, १९४५. हि. २० वर्ष्य, १९९८, वि. २० किवींबर, १९९८.

१) श्वांता, सामाज्ञिक नाय, बांस्कृतिक कर्य, क्रीक व रिनोट शहरू विधान क्रान्ति स्थित क्रान्ति क्रिकेट क्रिकेट

 श्रूबरोगा, सामाजिक न्यान, सांस्कृतिक कार्य, क्षेत्र न विशेष सुकार निमान क्षांक: ग्रीया-२००३ / ऐ.स.३०५/ सांवा-न, दिनांक ६ व्योवेस्ट, २००३.

वाल्यंपूर्ती :- स्वास्त निर्णय, राजास्त्रसम्, सांस्कृतिक कार्य र ग्रहेस विद्यास मान्यास मान्यास स्वास्त्र / सांस्कृतः हिरावा रु नोर्थया, १९५६, अन्ययं व्योधास वस्त्री विद्यास व्याप्ति व्याप्ति अर्थास व्याप्ति व्याप्त व्यापत व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्यापत व्या

नुहरून निर्माण

- वाच कंत्यानुसार शासन जाता कालीकारवाचे निर्माप केत आहे:-
 - माह्ने निर्माण होना-चा नर्स गठाडी विकासांक करवानून कर पूर्णको गान करवाल के काडे.
 - अंतिक अवती विश्वता अववकाय (कार्या अस अस्तावकार वितिव स्ताव्य न केत्र) निर्माण केव्याचेट क्रमाण कारी विश्वताच्या वितिवित्यती कार्यात हात्य कार्यात वर्णा कर्माण कार्या कर्माण मान्यात्र कार्यात कर्माण प्रमुख निर्माण क्रमाण कर्माण कर्माण विश्वताच्या करिया कर्माण कर्मा इत्याव क्रमाण कार्या कर्माण कर्माण क्रमाण क्रमाण कर्माण कर्माण
 - के निःवितियका निवेदिक्ता कार
 - il) विकिता सम्बद्धि अर्थन (श्रमा,श्रीली/क्रि.सी.पन.स.)
 - 4) ज्या संस्थेची पहिली चित्रकट निर्विती जाडे परंतु त्यात केंद्र / राज्य बात्रप पुरस्कृत चाहीन / आंधारमहीन पुरस्कार काम झालेका जाडे जन्मना क्या चित्रकाची निषक केंद्र/काम साराज नात्यकाच्या चाहीन / आंधारमहीन

चित्रपट नहोत्सवाच्या पैनोकमा संस्थान नाम्ये कारणात आसेनी आहे. त्या चित्रपटांक का कोको संस्थान क्षत्र सम्बाधका कार्यः

वाप केवल सामग्रे संस्थानी, व्यक्तियांनी क्रिकेने पुरस्कार प्राप्त विकास का प्रमाने कर क्यान नामीक

- 2) ब्यावायर बहिता बच्छी चित्रक निर्माण केम्बारा पुत-क वर्मेक्ट निर्माणका निर्माणिक्टी क्रमान करते क सह अर्थकात्मा कियान कार्युन्त वर्षिक वर्षोण्य सारर करता उच्च शिव्य पर्या व अर्थुन्य निर्मिती गूरण अस्तर्ग-क चित्रकारमधी आहा करते 10 सह क्ष्माचे मृहण क्षमान करते ३० वस पर्यंत राष्ट्रका मंत्रूर करते , है अञ्चल बीच इनका कार्योग प्रचले बहीत.
 - १) १/६ जानाचे विकासन कारकार, श्रीकारि कारणी केरवारः विकासकारी विकास केरवास प्रतिका श्रमाची कारण करने ५ गहा.
 - प्रश्नाव वंदूर्व विक्रीयस्य इतस्यवर वेन्स्रेस्ट इन्यान्यव क्रान्त
 इतस्यावर विक्रय प्रवर्तिक इतस्थावर व अंक्रा क्रिकेट पूर्व इतस्यावर
 प्रविक्रण स्थिति को विक्रयाचा पर्ध्य उत्तेतः व्याकृतार वर्षिक ज्ञान्य अवा
 करणात वेदिन.

मु दर्जा किलावर स्कूल कार्य का/३० व्हार. प्रक्रिया स्टब्स्यो स्वकल क्रम

मु दर्भा विस्थात क्यां १५ लहाः परिवार क्या प्रकारः

म् क्यो दिल्लास स्थले ५ सहर परिता हरत भवनः

 भेद/एउन नारान कुल्कृत राष्ट्रीय आणि जांतरसङ्क्ष्म भागमेनर परिवर्तिक विकासिका समेच वेंद्र/एका प्राथन मान्यराज्या कटीन/ जांतरराष्ट्रीय विकास अहरेशियाच्या केंग्नेस्था सोक्याच्याकी निकासेस्था अस्ति विकासांचा करोती ए.१.०० सरकारो केंद्र करिया अधिन स्थापिक केंद्रम काम स्थापकों केंद्रा केंद्र स्थाप

क्ष्मान्त्रीया विकास- वाह्ने निर्माण होना-या वर्ण नवाडी विकासना सावन करवन्त्र कर पूर्णसने माण करीत आहे. कावाया शासना निर्मात, कनावायामान्त्रः मांस्कृतिक वर्ण य क्रीता निर्माण प्रमाणिक काव्या-२०१६/वा.स.११६/वांका-४, विकास १६ वांकीन्त्, १९१६ रोजी पापूर्णिय निर्माण काव्यास काव्या आहे.

100

कर्षस्कास पोसनाः-

2 4 1 Jan 19 10 10 10

(1) पहिला सक्ती विश्वत त्याध्यय (ज्याने धन्य वाध्यकतृत अपंत्रक्रम न पंत्र) निर्माण केल्या के

i)- ३५ मि.सि.विश्वर निर्मेटिक्या चानर

a) क्रिकेटन कर धेर स्थाप्त जिल्ला क्रेजिंश डि.टी.प्रश्र डि.)

- (त) हैं। वीक्रम बहाराम् विक्रम व्यक्ति क्षेत्रक (पूर्व), मुक्त-अच्च = ५ पार्थककेत स्थानको व्यक्ति व्यक्ति विक्रमक्ति, व्यक्ति (पूर्व), मुक्त-अच्च = ५ पार्थककेत सर्वाकते व्यक्ति
- ार्रि) बुद्धादित बुद्धारंकी स्वर्धना व नियम वीर्धनाट "ज" वाद्य वेश्यात आने अहंत.
- (१९) स्था बोडरेका हो प्राप्त किया किया क्षित्र के क्षित्र व्यक्ति को स्था क्षित्र के क्षत्र के क्षत्र
- (१) अध्यमहामान्याका जानाच्या कर्म कर्मार्थ जानाची मह प्रदेशकार्यक ग्रंथास्थ्य, व्यापन विकास क्ष्मार क्ष्मा
- (म) अर कारहे क्याच्या क्रिकेट क्यां का क्यां का क्यां का क्यां का अर्थ का अर्
- (ea) में संस्था प्रकारिकारकार जानावा जो निर्दा का राज्य स्वीति संसाधक. संस्कृतिक प्रवर्ष, समापन राज्य यार्चनार्वत अध्याद चित्रकर, संस्कृती आणि स्वत्यूकीक विकास नाम्यंद्रकारके " २००५- समा व नाजूनी - १०४- काम व संस्कृती वालं स्वातंत्र (क्ये) (क्ये) स्वातंत्र विकास विकित्तं सहस्यक अनुसन (क्यूक्त 11= व) पर साम्यक सनुदर्भ वा क्षेत्राधिकांत्रकारिकी विकास

- (viii) का योजनेतंन नगरी विकास्त्रकारी स्थान करवे १०/३० साकानका किया विवयसायमा निर्मितीकारी झालेता कार्य करवेशी की स्थान कर्मी असेत में स्थान नंतर काण्यास नेहिंग.
- (ix) शासनकारे महामंद्रकारा विसेन्य अनुवानाम्य राक्ष्मेकामा सविकार नाहिती व विविद्यांत्रम् प्रमानपथ, दाखारा, शासनाकडून वेळोरेकी विदेश केलेस्क मुदबीत विदेश नमुन्याय सादार इतमे आकारका आहे. वितीय वर्षाच्या आहेर विस्तरक क्रीडरेसी राक्ष्म नाहर्षकार्थ शासनाकचे प्रमाणित करने अत्यक्ष्म आहे.
- (ह) ही बोजना शब्दिक्यास्त्राती व्यवस्थापनीय संवासन्त्र, महासम्मू विजयत.
 श्राकृती आणि सामकृतिक विकास महामंत्रक, वाद्यसम्बद्धिम कारके
 विकायपर्द, वोरेगाव (पूर्व), मृंबई-५०० ०६५ वांनी क्वीय दिवीय वर्ष कृष
 इसल्यापस्त क्षेत्र महिन्याच्या आह मागील विकीय वर्षत अवा करणाव
 अक्षेत्रम अनुवा गामकृत्वी भारिती विदिध नमृत्यांक सामनाम साहर करवी.

दसार्थी व्यवस्थायकीय संकारकानी या श्रीकार्यकी पूर्वात विश्वीय वर्षात आवस्थक असलेल्या अंदर्शिय निमीनापत शासनास ऑपक्ट असीर अहवात पाछक्या. सांस्कृतिक कार्य विकासने या निमीची सन्ध्य स्थाध्या वार्थसंत्रस्थीय अंदर्शनपत्रसात करानी.

সাঁক করিক বাঁককাঃ-

ज्या नवादी विकासका राज्य / देह भारत पुरस्तूना सन्दीन / आंतरवादीय पावितीयिक विकास आहे किया ह्या चित्रपटांची करेणालाही केइ/एउच शहरत मान्यवादाय राष्ट्रीय/ अंतरकाद्दीय विकास महोताकाच्या वितोधामा चेवनातमध्ये निवस इससी आहे असा चित्रपटांचा प्रचन्तातर नदेश सायनारके प्रत्येकी उच्चे १.०० सामाचे चेळ पुरस्कार दिले आईक वा पुरस्कावची सावन्य सालीसप्रकार्य विस्तित केली आईक.

- पुरस्कार विश्लेख विश्लेख निवास किसील व विश्ववंक शांत्र प्रातेकी र. ५० हवार इसकी रक्का विली वार्थनः
- शर पुरस्कार विज्ञोत्त चित्रपटा वे निर्माते एकापेश अधिक अध्योत का पुरस्काराची
 रक्का समझ्यामाठ विज्ञानुन दिली आहेत. त्याचामाने दिन्दर्वक प्रकारोधा
 आधिक अवस्थास विकार कार्यां कार्य विकार विकार
- सहर पुरस्कार रिमेक असलेक्या, यह वेकोका अञ्चल समझान्यत केलेक्स मनती विजयक्षण विकास नाडी-
- ह) वा क्षेत्रनेतंत्रेत केंद्र / राज्य शासन पुरस्कृत राष्ट्रीय/ आंतरराष्ट्रीय वास्त्रिक पाच झालेला किंद्रा ज्या विश्वपटाची कोणस्वारी केंद्र/क्रम बासन आन्यरसाम सर्वदीय/आजस्यादीय विश्वपट महोत्सकच्या वैनोक्क सेक्क्रमच्ये निसंद झाली अलेल ज्या महाकी विश्वपट निर्मास्थिता संचालक, संक्रिकेक वार्च, स्वापण्ड् सम्बद्ध, मृत्यदे संचित्रके क्षेत्र का प्रमान्यनात्त्रस अर्ज सावद कथा केंद्र.
- इ) उसमें कुलकार महाराष्ट्र शब्द बचारी चित्रपट महोत्सव समारंखा दिले आतील-
- णासारी संख्याक, सांस्कृतिक कर्ष, बहावन्यु राज्य, बृंद्धं यांना अक्टरंप प विकारण व्यक्तियों सम्बून पोक्ति करण्यात नेत असून स्वांना का बंद्यीत केवकावर क्यांनी करण्यात क्रांत्रिकृत करण्यात केत आहे.
- का मामकी होन्याच कार्य " १९०%- काला व संस्कृती- १०२ क्या व संस्कृती वांचे प्रमासन- (०३)(००)- अवारी चित्रपट निर्मितीस सहस्माक अनुसन (२२०% १९० ४)
 भर सहस्माक अनुसने " या संस्थातियांच्याती कार्यी स्थापनात केंद्रन वो कार्य स्था-सह सभी संस्थ केंद्रेल्या आर्थिक सम्बद्धीहर मामिक्यक स्था.

्र क्रम्पन निर्णय दिश विकासम्बद्ध सहयतीने विक विभावत्था सभी, संवर्ध क्रमांक १०६/ ०५/ व्यव-१५, दिलांक १.१०.२००५ अन्तर्थ निर्माण वरण्यात के आहे. स्वारण्याचे कल्यामा बांच्या आहेतकनुसार व नांचाने.

- galley study

(मीना बोबो । सर बचिव, महस्वद, भारतनः

Tion,

वा कामपास धांचे सचित्र. वा. मुख्यमंत्री क्षेत्रे स्वान संदित. मा. संदी, जांस्कृतिक कार्य क्षेप् सामग्री सचिव. गा. एज्यमंत्री, सांस्कृतिक कर्म बांचे साजनी सचित्र. महालेकामान, महारुष्ट्र-1/६ (लेखा वर्षस्क/ सेखा अमृतेका). बूंग्र्स/ नमपूर. अविकास व लेळात्यकारी, मृंच्यं, निवासी लेखा परिका अधिकारी, मुंच्यं. सर्व विकारीय आवृत्यः. पर्य विकास विकास है। महसूल व कर विभाग, बंद्रालय, स्वर्ड, नियोजन नियाप, नेपासय, नेपाई-कामान्य प्रशासन विकास, संकासन, खंडां-बिस विभाग, मंद्रस्य, मूंबई-म्बार्ककार, नारेवी व जनस्तकं संपालयालय, अंजलव, कुंबई कंगलक, सत्कृतिक व्यर्थ, बहावन्द्र सन्त, कुंकी व्यवस्थानकीं। बंधानक, अस्थान्द्र विश्वपट, रंगकूपी अस्ति संस्कृतिक विकास म्बारमंद्रक, द्वारमालेक व्यक्तके विश्वनगरी, गरियांन (पूर्व)मूर्व्य-४०० वर्ष-भागाधिक न्याय, आंक्युनीस्थ प्रतर्ग, प्रतिस व वि.स. विभागाधील सर्व अधिकारी, शंकाराय, संगर्क. अकार, अकिस पासीय मधारी विशवत महामंत्रक, व्यक्ति पालकारिया, कम नै १६, धमावेची, मुख्य-२५. अस्तान, अस्तित पाणीय मस्त्री चिकार निर्मात बंदम, ई-र, पाझ सिनेस, हो अस्त्राम्यका चार्च, मुंबई-४. नियम नामी, जा. सामा - रे.

सामाधिक न्यान, खांक्यूनिक कार्य, स्त्रीय व विशेष स्वास्त्र विनाग शासन निर्माण प्रमाण: विशेष-२००४/ प्र.सः ३०५ / सांका-१ दिमांक ११ सॉक्टोक्स २००५ में सहयत. सबसे विजयतामाही विस्तित सहात्र कृष्यामानसमें विश्वना:-

मा निक्रमात प्रतिकृत क कंदर्भकीत गरील हर कालील शक्केणा कावना प्रतिक प्रमाने असलील

t) <u>बहासंबद्ध म्हल्</u>ये

अक्षावस्य विकास्तः संबद्धी आणि सांबद्धीक विकास महानंतक (अवस्तित). सारामानेक व्यावके विकासमध्ये, गोनेकांच (पूर्व), मूंबई-४०००६५.

- २) अवही कित्रक्ट विमांता स्वयाने कहा विजयत निर्मिती बंस्केने
 - अ) भारतीय विश्वयद सेन्सीर सोर्काने प्रमाणित वैकोरणा नयारी विश्वयद्वां की निर्माण विश्वयद्वां की स्वार्थ महत्व अवार्णा विश्वयद्वां की अवार्थ अवार्णा विश्वयद्वां की सामन प्रमाण प्रमाण वाद्वीत / अवार्थ की विश्वयद्वीत प्रमाण प्रमाण वाद्वीत / अवार्थ का विश्वयद्वां की निषय के प्रणाण प्रमाण वाद्वीत / अवार्थ का विश्वयद्वां निषय के प्रणाण प्रमाण वाद्वीत / अवार्थ वाद्वीत अवार्थ को प्रमाण वाद्वीत अवार्थ की विश्वयद्वां निर्माण के प्रमाण प्रमाण अवार्थ का विश्वयद्वां निर्माण के प्रमाण प्रमाण अवार्थ का वाद्वीत वाद्वां की वाद्वीत को प्रमाण के प्रमाण का वाद्वां की वाद्वीत को प्रमाण के प्रमाण के प्रमाण का वाद्वां की वाद्वां को प्रमाण के प्रमाण के प्रमाण को प्रमाण के प्रमाण को वाद्वां की वाद्वां को प्रमाण का वाद्वां की प्रमाण को प्रमाण के प्रमाण को प्रमाण को प्रमाण के प्रमाण को प्रमाण के प्रमाण को प्रमाण के प्रमाण के प्रमाण को प्रमाण के प्रमाण का प्रमाण के प्रमाण को प्रमाण के प्

devom-1100(2010-10-2006)-s

वान १) अक्षा कान्ये दिलांस अन्युव अर्थ वाकास्त्र कावित्रक महाराष्ट्रव किमान १५ को पाध्यक केन्द्रकारको स्थान कवित्रकार्य इस्त्राण्या (Domicile Centificate) सावर कान्ये आवश्यक ग्राहेस. १) उसीय अस्त अन्यये निर्मात कान्युव अर्थ कान्यका व्यक्तिस्त्र ही किमाय कान्य पर्य विकास कान्यकार विश्वीकारिकार्यक मा साव्याचे कार्यक आहे सामायक अधिका भाषांति कराती चित्रपट नहामंत्रकार्य अमायका सावर कार्य आवश्यक ग्राहेस.

कारकापनीय संचारक सुच्छे-

महाराष्ट्र विकास रंगमुमी अजिय सांस्कृतिक विकास महार्थका स्वासकीय काराके विकासकी, मोरेगांव(पूर्व), मूर्का-४०००वृभ चे व्यवस्थानकीय संवासक.

१) परिकाम समिती समाने-

विकारताची क्षेत्र, क्रकार, संबद इतावी वासै आणि विकारताच्या अन्य अधिक क्ष्मीचे विकार क्षम्यासाठी रहमजाने गडीत केलोडी क्षिमी

५) विजयर मिनिसीया सर्च-

. विश्वयत विविद्याच्या वर्ष्य स्थलने स्थली क्लिक्केट्य अ, व. क आणि। य नेवीस क्लिकी एकून नेवीय.

- आसी किलेल्या श्रामीयन होन्यास सार्च विकासत बेंध्यान केल्न.
 - क्या, प्रश्नमा अभि संसद,
 - य) पाणे.
 - विशिक्षी व प्रकाशन.
 - ध) कस्त्रकार कामधनः
 - ५) संगीत,

- ६३ क्या विकासीय चंडल, विकासीय व विजेती का क्षेत्र कार्य.
- भित्रवस्य व प्रयोगसङ्ख्य कामील कर्ण- प्रकृत १९ स्त्रीकार्थः,
- ८) स्ट्रिक्स भागे-
- वंजन्तन्तुरी मार्च-
- १०) पीख,
- ११) लेकबंच, प्रकारन सामुबी व आणुरूरे.
- १२) संकलन (प्रविधीन)
- नेकॉबॉन व युक्त नेकॉबेंग (स्निकॉकिंग)
- १८) विना,
- १५) संबंध सर्वः
- () विश्वसम्बद्धाः अन्तेषतं काशित्रामीयतं होगाः—च क्रम्यः वर्णाच्या १०
 त्यकेः
- को । भारतुक, प्रमास व लांकेसम्बद्ध होचा-का प्राच्या सर्वाच्या ६५ उनके
- क्षीय क + प+ क क्या क्लाक्रीक अधिक t= अस्ते
- प्रयोगमध्य प्रयोगभाव्य स्टानने चिकित्रारण केलेल्स विम्मापर प्राथिश करुप्तरी प्रथम (Film Processing Laboratory)

निवस र सार्थ निर्देशित केशेस्टर का स्वास्त्रेड सम्बद्धान्य कर कराई विकास भिर्माता / निर्माणि कोची का सामन निर्देशिता विकास विकास ^{पदा} प्रसान सिम्पर स्वतितो केळा व आवश्यक जनलेशी सर्व करावस्त्रे का दावको, नदीन विकास विकास सम्बद्धाः प्रदानका / संबाध स्थास्त्र व मोतान अनुवात श्रीक्रियेक केशेस्का १० स्वतित्वः जोद्या अनुवाने कर्ज स्वयस्त्राध्यक्षित संबद्धान्य, माह्यान्द् विकास, वंबसूनी जातिर सांबद्धिक विकास महामंत्रक, निवसनारी, बोदेगांव (पूर्व), बुंबई-४०० ०६५ Ŋ.

14.

वांकारको सावा कार्याः शक्षा सर्वाची भागती महार्यकानो कथन निवनहाराणे भाग अर्थ सहित निवस्ताच्या क्षिण्डा/विशिष्टाते सेनेटस् इत्याची सह निवस्त प्रतिश्राण समिती गुडे विचारको सावश नामनेतः

आर्ज स्थाने ३००/- (कंपने तीमतो कामत) अधारा साम्यानने वेस्तेनेकी निर्मार्थिका नैक्सप्रमाने भूतक सम्यानक न्यानिकसम्बद्धाः निर्मार्थिकः

विषय प्रियंक्य स्थिति स्थान श्रीतिक विषय कर्तृत अभि स्थानेका साथ, प्रदेशका व संवाद्यकी स्थानी क्षण भाग स्थानका विषय-संश्री आही विसीय सहस्रात्रात्री स्थानमध्ये संवासक, बहा-सन् विश्व संवाद्यी आणि संवादिक विकास सहस्रोत्र, साराव्यक्ति प्रस्केत विश्वनगरी, गोनेवाव (पूर्व), बूंक्-४०० वर्षः ब्रांच्यको स्थाना शिक्तकारीयह वास्याची.

मा प्रयोक्तांकारी शासनामे नदीत केलेका विजयर परिवास समिवीयाची अर्जवानो विश्वीकाल केलेका प्रमान्ते (किलेके , प्रविद्या करकाची कार्याः) व्यवस्थानकीय संप्रकारीः महत्वस्यू विश्वयरः रेक्सूमी आणि महंस्यूविक विकास महामंत्रकः, बाह्यस्योग कार्यके विश्वनानीः, मोशायः मृष्ट्-४०० ०६५ वाली

वंद्र अन्तेषा विकित्तेष संगीति विकाद विकासि पूर्णपणे विकाद विविद्यालय कार्या, तसे केल्यानावार्य सनदी लेक्यापारको प्रमाणका आवश्यक तम लेक्यांच्या प्रतिक्ष (Profit & Loss Account & Balance Steen) विकास नामकार प्राथक संपालक, न्याचन्द्र विकाद, नेपूर्ण आणि सांस्कृतिक विकास नामकार, दादासार्यन प्रमाणके विकासि: विकास, मृत्युं-४०० ०६५ व्याचा सार्यन केले प्रतिक्री, तमे न केल्याचे आवश्य साल्याच अनुसामाचे पृतिक रुप्ते केल्या बेल्या प्रातिक तसीच विकीति स्वकृत शासनाने केल्येच्यी स्वयुक्त विकास प्रसाम अधिविक्तातील सन्तिन्ताल क्यूल प्रेमी अपनेत कार्यन का नेपालि निर्मात्यक्ष्युन संवपनाद्वाने सहसकी यह पटेंच पेयरका आर्यसम्बद्ध संजुद करण्यासूर्वी संस्थात गांवे.

- क्षार क्षणेतील (क्षणेक), संवादांकीय (दण) किया समझ्यात्म केलेले विद्यपट क मुक्तमेलंग अलेक्सकामाती पात्र क्षणको आचार गाविक
- अर्थादासंत्रा प्रकृत देव असलेले अर्थनतान्य कालीलक्षमाने नितरीत देवरे व्यक्तिः
 - अ) मिल्यस्य प्राप्त दर्जेदान मचली चित्रपटासकी रुपये १०/३० शाखापर्यंत किया विकासाया निकितीकाची प्राप्तेमा सार्थ वायेकी भी स्थलम कमी असेन सी स्थलम अंतुर करण्यात वेईस.
 - वर्गम स्टब्स् प्रकृष दोन इक्टांनको सम्बद्ध दरविक्रमध्याको देवस्य वैद्वतः
 - !) वर्षान चित्रपटांच्या प्रस्तावित स्त्रंबीच्या !/२ घतनाचे चित्रीकाण प्रतिम कारावात पूर्ण करून, वर्षामशाखेले प्रमाणपण सहस्य वेल्यानंतर ज्याची सामग्री चित्रपट पश्चित्रण प्रभितिने कारावी. क्लेच झालेल्य चित्रिक रूपाले पृष्टिकृत कारावे. आचामा अभितिने शिकास्य १९०१ वर्षा
 - २) विश्वपदाधे संपूर्ण विविधासम् पूर्ण काल विश्वपदाधे हैं।
 इ. के कि विश्वपदाधे संपूर्ण विविधासम् पूर्ण काल विश्वपदाधीला पेन्सीरये
 प्रमानकार विश्वपूर्ण निर्माणांची विश्वपद प्रवर्तित काल प्रवर्तनाचे
 प्रमानकार, आहेतातीचे कालन, वसंच्य काली संस्वपदासीची प्रमानित
 केतेने दिलांच काला प्रमानकारमात सार्वर केल्यानंतर व्यक्ति संपूर्ण
 विश्वपदाचे परिवास समितीने काला कालावस विश्वपदा केल्यानंतर
 वृक्षा आणि संबद क हम्म रूपने पंतपदापित सार्वा करता
 - विकास निर्मात्वासम् १/२ विकास पूर्णको तकार प्रात्कानीसम् यः क्षेत्रवेशासी अर्थ कृत्वा वेहेन.

४) अर्थ केन्स्राच्या विज्ञांकारमञ्जून वान वर्षाच्या मुख्येत्वेद विका प्रतिता इत्या दिल्याच्या दिलांकारमञ्जून वृक्त क्यांच्या मुद्रादेत्वेद व्यापित वे नंतरचे अर्थाय व्याप्य प्रतिता वृक्ति विकाद पूर्ण क्याच प्रवर्तित क्यांचे निर्माण्यक वेपन्यवस्था प्रतिता क्या वर्षाच्या व्याप्य व क्यांच्या व क्यांच्या व क्यांच्या व क्यांच्या व्याप्य व क्यांच्या व क्यांच्या व्याप्य व क्यांच्या व्याप्य व क्यांच्या व क्यांच्या व्याप्य व क्यांच्या व्याप्य व क्यांच्या व क्यांच्

जर विशवत वर्षेत्र सुद्धीत कृषे करण्या आता नाही तर वा खेलनेकासी या विशवताक्षीत विलेखा सक्ताक्षणाची पवित्या हत्याची स्वक्स शायनको वैद्योदेकी कालून विलेखा प्रधानिकालो निक्ताकुका आणि /अयक महत्वभू प्रभीत सहसूत अधिविकालील बालूर्सनुसान वसून केली बाईल व सामेदणांड विकासकालून कंत्रपत्राताने सहस्मीयत स्टेन्यपेपकार अधिवाहका बंद्द करण्यापूर्ण वैकास सामे

े विकास प्रियम अभिनेति विकास कर्माम स्थिति स्थापन प्रियम स्थापन प्रियम प्रयम प्रियम प्रियम प्रियम प्रियम प्रियम प्रियम प्रियम प्रयम प्रियम प्रयम प

'व' प्रजी प्रस्त विजयतः - पशुम्य क्याचे १५ शासा (प्रतिस्था क्यान्ती स्थापन परना)

'च' क्यों प्राप्त विकास - क्यून करने ५ करत (धीराका क्याची स्मान करन)-

वित्रपट परिश्वण सन्तितीने उन्योका प्रकले केलेस्स निकारसीच्या अनुसंहते शासन अतिम निर्मय चेर्ट्स आणि अर्थमसूच्या कल्लांच्या विकारमाचे जावेस निर्मीपत क्रमेल.

- अपरेक्त सह क्र. ३ सको दर्शनिकतानामे का चित्रपदीना अधिनदः के हवा चलत केला तेला अधीन का संस्था/विवर्धते पृष्टीन वर्षांभयो केलाही वा संस्थितानी अधिकाव्यस्ताते अर्थ करण्यक्षीक पात्र अध्यस्त्र पाष्ट्रित.
- स्व संजनकांत क्या नगरी चित्रका निर्माण केमील्य आसीर नाम कीन मुख्यी विकास कारी अर्थनकात्माच्या स्वयं निरम् करेस.
- "प्रथम केवल्याम प्रध्यम्य" या कत्वावर हे अवस्थित्य, नियीच्या काल्यकोन्शास
 आणि चित्रपट प्रोक्षाण समितीच्या विकाससीतृतार विकास केले सर्वता.
- त्यरोगा प्रमंत्र एवा हा समंदीत विजयवाचा विशिक्तमानाम प्रयोगकालेने विलेखा प्रमाणवाची लागनी करणव दिन्य वर्षण.
- 19. मंतूर वेशांत्रक क्रमंबाहरकाच्या क्रम्मेशून शेवरहुक्य महणून २ ४४के किया शहरत सेकोरोची कारोल की राज्यन कहा क्यान महामंद्रक अधिक स्वयम वितयर निव्योग्यास्त्र अच्छा भागेत. ही एक्टम महामंद्रकाल स्वयर बोजना स्वयंत्रसम्बद्धस देव भागेत्र.
- १३. विद्वपट विश्वांत्वास महत्वाच् विद्यपट, रंगपूनी आणि सांस्कृतिक विकास महामंदयः, कारत्वाहेत प्रत्यक्ती विद्यप्ताती, मीरेलांच (पूर्व), मृंबई ५००० व्यूप धांचे वर्षका विद्वित व्यूप्तात कराव करावा त्यांचा.
- २४. यरील कर्न किया प्रवेशस्त्राची नियमका बक्त करनी, सुधारमध करने किया अर्थ त्यावने वालाकाचे पूर्ण अधिकार शास्त्रात्मक बालील. या प्राप्त कार्यको निर्मेश अर्थेन्ट अधिक आणि संबंधिकोक वंधनकारक कार्योल.

विकित्त "व"

साम्बद्धिक न्यास, सांक्ष्येक्षक कार्य, सीवा व विशेष सहाम विभाग, सार्यन निर्मात कार्यक: समिल-२००४ च.स.२०५ कांक्यन. दिन्हेंक: ११ ऑक्टोबर, २००५ वे स्थापत्र)

अवही विजयर विजालांनी करवयांच्य अर्थाचा वसूनः

(अन्त्रे निक्रांक्षिण संप्रतेषक स्टेट्स्डेबबर कटन्यास बामा)

- (अ) क्षेत्रं तील क्लीव सारव क्यांचा.
- (व) वर्ष जांचे पूर्ण विकासीय.
- (क) कथा/पटकक अर्थन संवाद प्रत्येच प्रत्येच का क्यी काव्य क्याच्यात.

व्यवस्थात्त्रकीत संग्रामकः, स्थात्त्रकः विश्वतः, स्वपूर्णी आणि कांक्कृतिकः विश्वतः महामंत्रकः, शाहासक्षेत्र कारके विश्वनागीः, गरियांत्र (पूर्णे), श्रीवर्ण-सन्त्र ०६%,

महोदन महोदगः,

भी आसी :- या समर्थी विश्ववाच्या विभिन्नीमानी अवेत्यक्ताच्या निकामाक्ष्मिका अने करीत जाते / असीत. आवासक को क्यांकि चाली विजेता असी

- 1) अर्जवासने संपूर्ण नांच
- ९) कर्यादायभाषकः च पुरस्कानि भेषकः क्रमासः / चित्रेशयका

(अर्जकार क्षम पार्मिकारी संस्था अर्जात तब सर्व भावीदागांची भांते, एवं आणि पूत्रकर्ती हांगांक पांची बाबी कार्यक्रमणे अंकार्यक, जब किनका शिलिकी करका ही सक्तरपी संस्था आलेश वर अञ्चल जाणि कार्नकर्तीं कार्यक्रमण्डीय अंगानक रहीय संस्थातक संस्थातक वर्ष प्रकार्यक्री नार्ये, वसे प कृतकरी संस्थी पार्थी देने वैधनकारक राजीत. इसंघ जर असी संस्था उपरांका व्यक्तिक क्षेत्रकाही

केनध्या प्रकारची जीवत आरोग का अधा संस्थेच्या अंकामक मंद्रासकरील अध्यादिसह सर्व क्रमस्थाची नावे, परी व क्रमनी गांची काडी देने मंद्रासकरक बहिस्तः)

- क्षित्रकट निविती संस्थेचे नांग अधीन पता पूलानी धनांक/पॅनल क्रमांक/इ नेन पत्र
- প্ত) প্ৰতাহন সভাচন, কৰণৰ নকৰিয়া সংক্ৰ আনেকটাল উচ্চালী প্ৰত্নী কৰা ? প্ৰক্ৰমান, মেন্দ্ৰ বাজনা.

साले / पार्टि

जोडक आहे / करी

- ५) विकास्त्रका विकासकाचे अह
- विषयद्वाच्या संसीत-दिन्दर्शकाचे नावः
- 🚯 विकादलील धरसकारांची नाने
 - वाधक
 - व) वार्षिक
 - क् सहस्राक
 - **४) सहन्तरिका**
 - a) स्टार कलावंबर
- अर्थवानम्य चित्रपटक्ट्येतीन क्लेक्ट्यः होश्रत्य पूर्वानुसर आहे ? किसी वर्षाचा ?
- भार अर्थनसम्बद्ध संदूष इसने कर होग / नाडी।
 भित्रकर बाजुबीवर (चित्रकीत रामेच सम्बद्धाः
 भारत्वीकी इकर नकानका) कियक स्वर्धिय होद्रेक्का बहानंश्रक्तका (चित्रकारी गोनेगांव)
 अधिकार गाडीन कर्मा की सहना। अब्हे

(चित्रपट सामुद्री म्हणनं चित्रपटाची करा, पटक्या, संसाद, संगीत, निवेटिक व पीहर्मिटेक स्थ विटक, बोबास, प्रक्रिशीचे साहित, १६ / ३५ एम. एव. चित्रपट विभिन्नीचा चिक्रम् आणि चित्रपट विभाग अणि चित्रपट संस्थेचा मालकीची इस मानकता)

11)	विविध-न्यासाठी निवस्तेत्वा क्येची स्मोचा / सार्वाच / उदारा (निर्माणीस) च्या १० प्रती अवस्तिचत ओक्स्य असेत चाव ?	ः होन / न्यानि
13)	फित्रफलकी पटपायेच्या २० वर्ती कोवथ जोकोहरू अन्देव काय ?	: होंग/नकी
CGF	चित्रपक्षणा संगायत्वा २० इसी श्रीका बोह्न्या आहेन जान ?	ं होज/गळी
180	चित्रपद्भवी वस्तासित लांकी	: ••••••••••••••••••••••••••••••••••••
14)	चित्रपट विकितीसारी नेकास अंदाजे साथे.	ः कवने
	स्थानाची क्याप्रकारे मांस्कत उम्बरणी केमी आहे / करणार आहे 7	: 1) स्वाःचे पांत्रका : रूपने : 1i) वित्तीय संस्थेकपून विद्यानीते / विद्यानाते ⁹ कर्मा
		: iii) शिक्स्या संस्थेपकृत निम्मानारे सहास्य ः स्थाने
	10	ः iv) अस्य संस्थेकपून विकासारे सहास्य : स्थाने
	प्रमुख्य : स्थ्यमे	
析)	अर्थाकार निर्माता, विश्ववकः / प्रदर्शक सम्बोद्धा समासन् आहे काव ? असम्बन्धा, संस्थेचा त्यांतील	ः होग / नाही

१%) आस्त्रपर्वत निर्माण केलेला विश्वपदांचा वर्षांशत केंद्र /काम शासन पुरस्का निरमट (सब्दीय / आंतरराष्ट्रीय मुस्स्मार धाना निरमपत आध्या केंद्र / काम सामने नामतासाथ सब्दीय/आंतरराष्ट्रीय पेनोक्स केल्कानकों समावेत झाला असरवास नामकाचा सप्तित नामक)

विवादायां वाता (वेदः/ वृद्धा सामन इस्कृत वर्ष्ट्रीय (स्रोतस्वय्द्रीय इस्कृत वेदः सामन वेदः / साम क्षान्य वर्ष्ट्रीय वर्ष्ट्रिय वर्ष्ट्रीय वर्ष्ट्रीय वर्ष्ट्रीय वर्ष्ट्रिय वर्प्ट्रिय वर वर वर वर्प्ट्रिय वर वर वर व्रि व्र व्रि व्रि व्रि व्रि व	tite geographic googla	विषयः पूर्ण झात्याचा विकास	सेन्द्रीम क्रमण्यम विकासमाची विकास	विद्यापय इस्टिविया बुरस्थापणा विक्रमीच्य	सम्ब्रीय / आंतरकादीय चार्याध्येत्र वेत्राच्या औरत द्वारण आहे चमनः असस्यानी लाज्यां तप्याधितः	विषयः प्रवर्गितः न (विषयः समयी कारने
समाचेत्र हारक स्थारकार	-					
स्त्रकार्यचा सर्वास्त्र						

(कियः कापूर्वी विकास केरोल्या, प्रयुक्तिक केरोल्या विकासकारणा लेखा क्रिकोक्यरे/ कार्यक लेखा दिनकेराचे चार्ट्स अकारोस्टरने प्रयाणित देखेले प्रयाणका/ केरोली प्रमाणका कार्यका जोटले आकारक आहे.)

- १८) दिशेष वांत्रिक व्यर्थिका पानपमुळे अस्तिस्थ रुपये १० माळाच्या अनुधानपाती अर्थ कालवांचा (अस्पास कालीय कालित कालित
 - क) १५ मि.मि.निक्रकर निर्मेटिकचा कपा. : होक'नाही वेदल आहे काव ? (काकावचे संविद्या प्रतीयसाकीये प्रमाणका कारोपत ओवले आकावक आहे.)
 - विकार व्यक्ति कार्क (वार्षी / : लेक् नार्की हि.सी.मक्ष.क) या कार केरह आहे जाव ?
 (वार्षावर्क आ संस्थेत ही वार्की का कार्का आही कार्का कार्का आही त्या संस्थेत कि वार्का पूर्व कार्का आही त्या संस्थेत वार्षावर पूर्व कार्का कार्का कार्का का कार्का कार्य कार्का कार्का कार्का कार्का कार्का कार्का कार्का कार्का कार्य कार्का कार्का कार्य कार्
 - १९) इतर माहिती
 - २०) अव्यक्तिका ग्रेडकेटी ग्रंडणण्यो
 : (१)

 (२)
 (३)

 (४)
 (५)

 (५)
 (५)

 (६)
 (८)

२1) प्रमाणकांची एकून संस्था

आपका / आपली विश्वास

हिकाणः : दिनांकः ।

निर्माता / निर्माती संस्थेचा सर संस्थ